प्रश्न बैंक (बी.ए. सेमे.–04, हिन्दी साहित्य)

–प्रा. मिथिलेश अवस्थी

प्र. 01 'मृगनयनी' ऐतिहासिक उपन्यास होते हुए भी सामाजिक जीवन का प्रामाणिक दस्तावेज है– सिद्ध कीजिए।

प्र. 02 औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'मृगनयनी' का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 03 मृगनयनी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र. 04 वृंदावनलाल वर्मा ने 'मृगनयनी' में आदिवासी समाज की संस्कृति और सभ्यता का सुंदर चित्र खींचा है– सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

प्र. 05 'मृगनयनी' उपन्यास की भाषा–शैली पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्र. 06 रस को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 07 'श्रंगार' को रसराज क्यों कहा जाता है? सिद्ध करते हुए विविध रसों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

प्र. 08 अलंकार का अर्थ समझाते हुए किन्हीं दो शब्दालंकारों को सोदाहरण समझाइए।

प्र. 09 अलंकार की परिभाषा लिखते हुए किन्हीं दो अर्थालंकारों को सोदाहरण समझाइए।

प्र. 10 शब्द शक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 11 काव्य गुणों को उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

प्र. 12 काव्य दोष कितने प्रकार के होते हैं– सोदाहरण समझाइए।

प्र. 13 नामकरण व वर्गीकरण के आलोक में भक्ति काल को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 14 हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल के उदय व विकास को समझाइए।

प्र. 15 संत साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखते हुए प्रमुख कवियों की जानकारी दीजिए।

प्र. 16 सूफी साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

प्र. 17 राम भक्ति शाखा की विशेषताएँ लिखते हुए प्रमुख कवियों की जानकारी दीजिए।

प्र. 18 कृष्ण भक्ति शाखा तथा प्रमुख कवियों की विशेषताएँ लिखिए।

प्र. 19 राम भक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा के मूल अंतर पर प्रकाश डालिए।

प्र. 20 रीति काल की पृष्ठ भूमि समझाते हुए उसकी प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों की जानकारी दीजिए।

–०–०–०–